पाठ 8. उपयोगी जीव

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। इस पाठ में बताया गया है कि संसार में कोई भी वस्तु या जीव ऐसा नहीं है जिसका कोई महत्व न हो अर्थात् प्रकृति की बनाई हुई हर वस्तु या जीव किसी न किसी रूप में उपयोगी है।

पाठ का सार

यूनान के एक राजा को दरबारियों ने बताया कि संसार में दो जीव–मक्खी और मकड़ी अनुपयोगी होते हैं। बस, राजा ने अपने सेनापतियों को मक्खियों तथा मकड़ियों को मारने का आदेश दे दिया। उसी समय पड़ोसी देश के राजा ने उसके महल पर चढ़ाई कर दी। राजा पराजित होकर जंगल में भाग गया। शत्रु सैनिक उसके पीछे पड़े थे। जंगल में मक्खियों तथा मकड़ियों ने राजा की जान बचाई। राजा की आँखें खुल गईं तथा वह समझ गया कि हर जीव की इस जगत में कुछ–न–कुछ उपयोगिता है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  पाठ का सार बताते हुए जीव–जंतुओं के बारे में बातचीत करें। सजीव व निर्जीव वस्तुओं में अंतर समझाएँ। बच्चों से मकड़ी को जाला बुनते समय गौर करने के लिए कहें। जिस लगन और बारीकी से वह अपना कार्य सम्पन्न करती है, उसकी चर्चा विशेष रूप से करें। मक्खियों की छह टाँगें होती हैं और मकड़ियों की आठ टाँगें होती हैं, बच्चों को यह बताना न भूलें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 23** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - संयुक्ताक्षर की जानकारी पहले दी जा चुकी है। उसे यहाँ अन्य उदाहरण के साथ दोहराएँ।
  - नाम वाले और काम वाले शब्दों से बच्चे परिचित हो चुके हैं। इन शब्दों में अंतर समझाएँ।
  - उलटे अर्थ वाले शब्दों के बारे में उदाहरण देकर समझाएँ।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - मक्खियों से फैलने वाली बीमारियों जैसे–हैजा, आदि के बारे में बताएँ। ये बीमारियों के जीवाणुओं को किस प्रकार एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाती हैं, इसकी जानकारी दें।